सत्र 2021–22 हेतु प्रस्तावित पाठ्यक्रम
(स्वाध्यायी परीक्षार्थियों हेतु)
बी.पी.ए. द्वितीय वर्ष
तबला
प्रथम प्रश्न पत्र
संगीत का विज्ञान
(Science of Music)

समय : 3 घण्टे

अंक योजना	
पूर्णांक	न्यूनतम उत्तीर्णांक
100	33%

इकाई–1

1.तबला एवं पखावज वाद्यों के ऐतिहासिक विकासक्रम का विस्तृत अध्ययन।

2.वाद्य वर्गीकरण के सिद्धांतों का विस्तृत अध्ययन। अवनद्ध वाद्यों की उत्पत्ति एवं विकासक्रम का अध्ययन।

इकाई–2

1. तबला वादन के दिल्ली एवं अजराडा घरानों की वादन भौली का विस्तृत अध्ययन।
2. तबला वादन का लखनऊ एवं फर्रूखाबाद घराने की वादन भौलियों का विस्तृत अध्ययन।

इकाई–3

1. पं. विष्णु दिगम्बर पलुस्करताललिपि पद्धति का परिचय एवं पं. भातखण्डे एवं पं. पलुस्कर ताललिपि पद्धतियों का तुलनात्मक अध्ययन।
2. संगीत की परम्परागत एवं आधुनिक शिक्षण पद्धतियों का सामान्य अध्ययन।

इकाई–4

1. तबले के दस प्राणों का सामान्य अध्ययन।
2. तबला एकल वादन का महत्व एवं तबला एकल वादन के क्रम का अध्ययन।

इकाई–5

1. बाज एवं घरानों का सामान्य अध्ययन।
2. निम्नलिखित तबला वादकों की जीवनियॉं।
   उस्ताद मुनीर खॉं, उस्ताद हाजी विलायत अली खॉं, उस्ताद नत्थू खॉं, उस्ताद अहमद जान थिरकवा, उस्ताद हबीबुद्दीन खॉं उस्ताद भोख दाऊद खॉं, उस्ताद लतीफ अहमद खॉं।

सत्र 2021–22 हेतु प्रस्तावित
बी.पी.ए. द्वितीय वर्ष
द्वितीय प्रश्न पत्र
भारतीय संगीत के क्रियात्मक सिद्धांत
(Applied Principles of Indian Music)

समयः 3 घण्टे

अंक योजना	
पूर्णांक	न्यूनतम उत्तीर्णांक
100	33%

इकाई–1

1. पिछले पाठ्यक्रम की पुनरावृत्ति।
2. तिरकिट, घिडनग, किडनग, धिरधिर, क्डान, धेत्धेत् बोल समूहों की निकास विधि का भाास्त्रीय अध्ययन।
3. वसंत, रूद्र एवं पंचम सवारी तालों को ठाह, दुगुन, तिगुन एवं चौगुन लयकारियों में भातखण्डेताललिपि पद्धिति में लिपिबद्ध करना।

इकाई–2

1. झपताल एवं रूपक ताल मे एक–एक कायदा, चार पल्टों एवं तिहाई सहित भातखण्डे ताललिपि पद्धति में लिपिबद्ध करना।
2. त्रिताल एवं झपताल में एक रेला चार पल्टों एव तिहाई सहित लिपिबद्ध करना।

इकाई–3

1. कहरवा तथा दादरा में न्यूनतम दो–दा लग्गियॉ लिपिबद्ध करना।
2. त्रिताल, पंचम सवारी, दीपचन्दी, धमार, झूमरा, एकताल, झपताल, कहरवा, रूपक, दादरा, तालों को आड लयकारी में लिपिबद्ध करना।

इकाई–4

1. त्रिताल में साधारण, चक्रदार, फरमाईशी चक्रदार एवं कमाली चक्रदार परनों को ताललिपि में लिपिबद्ध करना।
2. झपताल एवं रूपक में न्यूनतम दो–दो मुखडे एवं दो–दो तिहाईयॉ लिपिबद्ध करना।

इकाई–5

1. पेशकार का प्रारम्भिक ज्ञान एवं पे" ाकार को त्रिताल में विस्तार सहित लिपिबद्ध करना।
2. तिहाई एवं इसके प्रकारों का सोदाहरण वर्णन।

सत्र 2021–22 हेतु प्रस्तावित पाठ्यक्रम
(स्वाध्यायी परीक्षार्थियों हेतु)
बी.पी. ए. द्वितीय वर्ष
प्रायोगिक
तबला वादन की तकनीक
(Technique of Tabla Playing)
प्रदर्शन एवं मौखिक
(Demonstration and Viva)

अंक योजना	
पूर्णांक	न्यूनतम उत्तीर्णांक
100	33%

1. पिछले पाठ्यक्रम की पुनरावृत्ति।
2. पाठ्यक्रम के तालों वसंत, रूद्र एवं पंचम सवारी तालों को ठाह, दुगुन, तिगुन एवं चौगुन लय में हाथ से ताली देकर पढना तथा तबले पर बजाना।
3. तीव्रा, सूलताल, चौताल एवं धमार तालों के ठेकों को ठाह लय में तबले पर बजाने का अभ्यास।
4. तिट, तिरकिट, तकिट, धिनगिन, घिडनग, किडनग, धिरधिर बोलों का तबले पर निकास।
5. झपताल एवं रूपक में एक–एक कायदा चार पल्टों एवं तिहाई सहित हाथ से तालो देकर पढना।
6. त्रिताल एवं झपताल में विभिन्न मात्राओं से प्रारंभ होने वाली तिहाईयॉ बजाने का अभ्यास।
7. तबले के दिल्ली एवं अजराडा घरानों की वादन भौली की वि" ोशताओं का प्रद" ान करने की योग्यता।
8. झपताल एवं रूपक में पेशकार एवं कायदे का विस्तार सहित वादन।

बी.पी.ए. द्वितीय वर्ष
मंच प्रदर्शन
(Stage Performance)

अंक योजना	
पूर्णांक	न्यूनतम उत्तीर्णांक
100	33%

1. त्रिताल में एकल वादन पे" ाकार, कायदे, रेला, टुकडे एवं चक्रदार सहित (न्यूनतम 15 मिनिट)
2. परीक्षक द्वारा पूछे गये पाठ्यक्रम में निर्धारित तालों में से परीक्षक द्वारा पूछे गय किन्हीं चार तालों के ठेकों की ठाह, दुगुन एवं चौगुन करने की क्षमता।

//संदर्भित पुस्तकें//

1. ताल प्रकाश : श्री भगवतशरण शर्मा
2. तबला कौमुदी भाग 1 एवं 2 : श्री रामशंकर पागलदास
3. तबला प्रकाश : श्री भगवतशरण शर्मा
4. ताल परिचय भाग 1 एवं 2 : पं. गिरी" ा चन्द्र श्रीवास्तव
5. ताल शास्त्र परिचय भाग–1 : डॉ. मनोहर भालचन्द्र मराठे
6. तबला भाास्त्र : पं. मधुकर गोडबोले
7- ताल कोश : पं. गिरीशचन्द्र श्रीवास्तव